



JAA-001-001518

Seat No. _____

B. A. (Sem. V) (CBCS) Examination

October – 2019

Hindi : Paper-15

(Prachin Hindi Kaavya Bhag-2)

(Optional) (Old Course)

Faculty Code : 001

Subject Code : 001518

Time : 2½ Hours]

[Total Marks : 70

सूचना :

- (1) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
- (2) प्रश्नों के अंक दाहिनी ओर दिए गए हैं।

- | | | |
|---|---|----|
| 1 | “गोरखबानी” की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए। | 14 |
| | अथवा | |
| 1 | गोरखनाथ के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिए। | 14 |
| 2 | गोरखनाथ की निर्गुण भक्ति साधना पर अपने विचार प्रस्तुत करें। | 14 |
| | अथवा | |
| 2 | गोरखनाथ की विचारधारा का परिचय देते हुए नाथ संप्रदाय में उनका स्थान निर्धारित कीजिए। | 14 |
| 3 | ‘ढोला मारू रा दूहा’ लोककथा का सार अपने शब्दों में लिखिए। | 14 |
| | अथवा | |
| 3 | प्रेमगाथात्मक काव्य के रूप में ‘ढोला मारू रा दूहा’ का मूल्यांकन कीजिए। | 14 |

- 4 'ढोला मारू रा दूहा' के आलोक में नायिका भारवणी का विरह वर्णन 14
सदृष्टांत प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

- 4 डींगल काव्य परम्परा का परिचय देते हुए 'ढोला मारू रा दूहा' की विशेषताएँ 14
स्पष्ट करें।

- 5 टिप्पणियाँ लिखिए : (किन्हीं दो) 14

- (1) गोरखनाथ की काव्यभाषा।
 - (2) गोरखनाथ की साधना पद्धति।
 - (3) वीर काव्य के रूप में 'ढोला मारू रा दूहा'।
 - (4) 'ढोला मारू रा दूहा' में शृंगार निरूपण।
-